भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †82
सोमवार, 18 जुलाई, 2022/27 आषाढ़, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटक स्थलों के बीच कनेक्टिविटी

†82. **श्री बी.बी. पाटीलः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में बेहतर रेल और सड़क परिवहन के माध्यम से पर्यटक स्थलों और मुख्य शहरों, कस्बों और गांवों के बीच अच्छी कनेक्टिविटी से हमारे पर्यटन उद्योग को काफी बढ़ावा मिलने की संभावना है और युवाओं तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का सृजन भी होगा;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या पहल की गई हैं/की जा रही हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) : जी, हां महोदय ।

(ख) और (ग) : महत्वपूर्ण पर्यटक गंतव्यों तक सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) की सहायता लेता रहा है । इस संबंध में पर्यटन मंत्रालय ने राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से दो सूचियां तैयार की थीं यथा 50 गंतव्यों की पहली सूची और 114 गंतव्यों की दूसरी सूची और ये दोनों सूचियां सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ साझा की थीं । पर्यटन मंत्रालय ने सीमावर्ती सड़कों को बेहतर बनाने के लिए यह मामला सीमा सड़क संगठन के समक्ष रखा है ।

पर्यटन मंत्रालय ने बेहतर रेल कनेक्टिविटी का मामला भी रेल मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किया है । रेल मंत्रालय ने सूचित किया है कि रामायण परिपथ, ज्योतिर्लिंग परिपथ, बौद्ध परिपथ आदि जैसे थीम आधारित पर्यटन परिपथों पर 'भारत दर्शन ट्रेनें' चलती हैं । इसके अतिरिक्त रेल मंत्रालय ने यह भी सूचित किया है कि उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भव्य ऐतिहासिक स्थलों को दर्शाने के लिए 'गौरव भारत ट्रेनें' (थीम आधारित पर्यटक परिपथ ट्रेनें) शुरू की हैं ।

सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है जिसमें अन्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ रेल मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हैं ।

*****